

बैठक में सर्वप्रथम प्राचर्य महोदय ने घरेलू परीक्षा के सफल संचालन पर घरेलू परीक्षा कमेटी को बधाई दी साथ ही समस्त स्टाफ का भी उनके पूर्ण सहयोग के लिये धन्यवाद किया।

तत्पश्चात प्राचार्य ने शिमला में आयोजित हुई प्राचार्यों की बैठक का पूर्ण विवरण स्टाफ सदस्यों के समाने सभी की जानकारी हेतु प्रस्तुत किया यह बैठक दिनांक 07-12-2019 को आयोजित हुई थी जिसमें निम्नलिखित बिन्दुओं पर चर्चा हुई।

प्रदेश के महाविधालयों को जो ग्रेड प्राप्त हुई है उसे किस प्रकार बढ़ाया जाए इस ग्रेडग की सुधारने के लिए निम्नलिखित कार्य करने का सुझाव महाविद्यालय को दिया गया जेसे कि:-

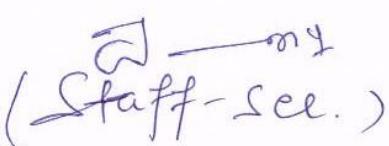
1. ऐसे सभी महाविधालयों के पास सम्मानीय dignitries की सूची बनी होनी चाहिए।
2. महाविद्यालय द्वारा बोटेनिकल गार्डन बने होने चाहिए तथा उनका रख रखाव ठीक से होना चाहिए।
3. महाविद्यालय से जो भी भ्रमण अथवा यात्राएं करते हैं या करवाते हैं उनका पूर्ण विवरण रखना चाहिए।
4. शिक्षकों एवं छात्रों के स्तर को बढ़ाने हेतु नये नये क्रिया कलाप एवं नवविचार सर्जित किए जाए।
5. पिछले 5 वर्षों का रिकॉर्ड महाविद्यालय के पास होना चाहिए।
6. पी.एफ.एम.एस अर्थात् महाविद्यालय के वितीय क्रिया कलाप सावर्जनिक वितीय प्रबन्धन व्यवस्था (पी.एफ.एम.एस) के अंतर्गत होने चाहिए।

दूसरे सत्र प्राचार्यों की कार्यशाला का यह था कि परीक्षा प्रणाली को किस प्रकार सुधारा जाए। इस पर भी गम्भीर चर्चा हुई और निम्नलिखित बिन्दुओं पर चर्चा हुई जो कि इस प्रकार थी :-

1. महाविद्यालयों एवं विश्वविधालयों के बीच सहयोग बढ़ाया जाए क्योंकि कहीं न कहीं दो के बीच यह कमी स्पष्ट झलकती है।
2. महाविद्यालय से समय समय पर छात्रों की संख्या मांगी जाती है जो कि समय पर नहीं पहुंचती।
3. महाविद्यालयों द्वारा उनकी वरिष्ठ संकाय सदस्यों की सूची उपलब्ध कराना। छात्रों का पंजीकरण एवं स्थानातरण समय पर करवाना।
4. परीक्षा प्रपत्र ठीक से भरवाए जाए उनका निगरानी तंत्र तेयार किया जाए।
5. आन्तरिक सत्रांक के अंकों की सूची सुचना पट पर लगाई जाए।

प्राचार्य ने महाविद्यालय मूल्याकन केंद्र खुलने की बधाई दी।

  
Dr. MOHAN SINGH CHAUHAN  
Principal  
Shree Guru Gobind Singh Ji  
Government College  
Paonta Sahib  
Dist. Sirmour (H.P.)-173025

  
(Staff-Sec.)

Dr. Jagchand



18-12-2019

DATE: / 20  
PAGE NO.

आगरीक 18-12-2019 की स्थाप सदस्यों की छड़क

प्राचामि देवेंड्रगुप्ता की अधिकारी में सम्बन्धित जिम्मे  
जिम्मा निर्वाचन के सभी सदस्योंने आगे लिए। —

- |    |                    |     |
|----|--------------------|-----|
| 1  | →                  | 24. |
| 2  | <del>Shay</del>    | 25. |
| 3  | <del>Shivam</del>  | 26. |
| 4  | <del>Lokesh</del>  | 27. |
| 5  | <del>Vikram</del>  | 28. |
| 6  | <del>Senthil</del> | 29. |
| 7  | Sooriya            | 30. |
| 8  | <del>Pratik</del>  |     |
| 9  | <del>Yash</del>    |     |
| 10 | <del>Yash</del>    |     |
| 11 | <del>Yash</del>    |     |
| 12 | <del>Yash</del>    |     |
| 13 | <del>Yash</del>    |     |
| 14 | <del>Yash</del>    |     |
| 15 | <del>Yash</del>    |     |
| 16 | <del>Kumar</del>   |     |
| 17 | <del>Yash</del>    |     |
| 18 | <del>Balaji</del>  |     |
| 19 | <del>Rajesh</del>  |     |
| 20 | <del>Yash</del>    |     |
| 21 | <del>Yash</del>    |     |
| 22 | <del>Yash</del>    |     |
| 23 | <del>Yash</del>    |     |

बैठक में सर्वप्रथम प्राचार्य भृष्णोदयना ने शृंग पनीका के सफल संचालन पर शुह परीका के ग्रन्थी की बधाई दी साथ ही समक्त वर्षपाल का भी उनके पूर्ण सहभाग के लिये धन्यवाद एवं

तत्पश्चात् सैडम ने श्रीमला के आमोजित हुई प्राचार्यों की छेष्ठा का पूरी विवरण स्टाफ सदस्यों के समक्ष सभी की जानकारी हेतु अस्त्रा प्रस्तुत किया। मह बैठक दिनांक ७-१२-२०१७ आमोजित हुई थी। लिखमें निम्न लिखित बिन्दुओं पर ध्यानी हुई।-

\* प्रदेश के महाविद्यालयों की जी श्रेडिंग प्राप्त हुई है उसे किस प्रकार बढ़ाया जाए कि इस श्रेडिंग की व्यवस्था के लिए निम्नलिखित कार्य करेने का सुझाव महाविद्यालयों को देना चाहिए।

\* ऐसे सभी महाविद्यालयों के पास सम्बान्धित Dignitaries की सूची बनी होनी चाहिए।

\* महाविद्यालयों द्वारा ब्रोटनिकल गार्डन बनें हों और यहाँ तथा उनके रखरखाव ठीक से होना चाहिए। \* महाविद्यालय जो श्रीक्षिक अभ्यास/अध्ययन कार्यक्रम आए करेते हैं या करते हैं उनका पूरी विवरण रखना चाहिए।

\* शिक्षकों एवं छात्रों के स्तर को बढ़ाने हेतु नई नये क्रियान्वयन लाप्त करना एवं नवाचार शुरू किया जाए।

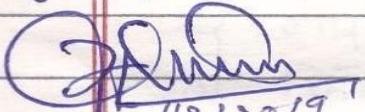
\* प्रिव्हेले उच्चकारी का विकास महाविद्यालयों के पास होना चाहिए।

\* पी.एफ.एस.एस. और अर्थात् महाविद्यालयों के वित्तीय क्रियाकलाप सार्वजनिक वित्तीय प्रबन्धन व्यवस्था। (पी.एफ.एस.एस.) के अन्तर्गत होने चाहिए।

संक्षेप का कार्यविधालय प्राचीयों की विद्या का यह या कि परीक्षा  
प्रणाली को इस अकार सुधारा जाए। इस पर भी गम्भीरत्व की  
दृष्टि छोड़ने के लिए विनुक्तों पर स्वतंत्रता की ओर बढ़ा दिया जाए।

- \* महाविद्यालयों द्वां विश्वविद्यालय के बीच सहयोग  
बेहाया जाए वर्षों के बीच न कहीं दो के बीच यह कभी  
स्पष्ट झलकती है।
- \* महाविद्यालयों से समय-२ पर छात्रों की संख्या  
मांगी जाती है जो इस समय पर बही पहुंचती।
- \* महाविद्यालयों द्वारा उनकी वारिष्ठ संकाय सदस्यों की  
सूची उपलब्ध कराना। प्रभी छात्रों का पंजीकरण  
एवं स्वानात्मक समय पर करवाना।
- \* परीक्षा प्रपत्र थीक से भरवाए जाएं, उनका निगरानी  
तोंत्र तैयार किया जाए।
- \* आन्तरिक संत्राव (Internal Assessment) के अंकों की  
सूची बनाये रखे पर लगाई जाए।
- \* प्राचीय ने महाविद्यालय मुद्रणाकान के दृष्टि सूले बढ़ायी है।

संयोग समिति

  
18/12/2019

प्राचीय  
18.12.2019